आवधिक पाठ्यक्रम

(2019-20)

कक्षा – 6 (प्रतिभा समूह) **विषय – हिंदी**

पाठ्य पुस्तक – वसंत, भाग – 1, बाल रामकथा

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2019 से सितम्बर, 2019)

पाठ सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	अधिगम- संप्राप्ति	अधिगम उद्देश्य
पाठ .1	**वह चिड़िया जो**	कविता	केदारनाथ अग्रवाल	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, - विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप पर गौर करेंगे, - पशु- पक्षियों के प्रति संवेदनशील होंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 2.	**बचपन**	संस्मरण	कृष्णा सोबती	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - कृष्णा सोबती एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - बचपन के कई सारे अनुभवों की अनुभूति नए संदर्भ में कर सकेंगे,

					- तत्कालीन परिस्थितियों के पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने और समझने का प्रयास करेंगे, - शिमला और वहाँ की विशेषताओं को जान सकेंगे, - अपनी अनुभूतियों को लिखने का प्रयास करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .3	**नादान – दोस्त**	कहानी	प्रेमचंद	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेंगे, - पक्षियों के अंडे एवं उनके रख-रखाव के बारे में समझेंगे, - नादानी में की गई गलतियों एवं उनके परिणाम के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे, - माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का महत्त्व समझेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 4.	**चाँद से थोड़ी सी गप्पें**	कविता	शमशेर बहादुर सिंह	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं	कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - चाँदनी रात में आकाश, चाँद और तारों की सुन्दरता का अनुभव करेंगे, - चाँद की विभिन्न आकृतियों को समझ सकेंगे, - बचपन में चाँद को लेकर किए जाने वाले तरह-तरह की जिज्ञासाओं को समझ सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका

				का अभ्यास	प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 5.	**अक्षरों का महत्त्व**	निबंध	गुणाकर मूले	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से भाषा के उद्गम एवं विकास को समझने का प्रयास करेंगें, - प्रारंभिक संकेत लिपि के बारे में जानेंगे, - अक्षरों का हमारे जीवन में कितना महत्त्व है, इसे जान सकेंगे, - कुछ प्राचीन भाषा एवं लिपियों के नाम से अवगत होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 6.	**पार नज़र के**	कहानी	जयंत विष्णु नार्लेकर	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - बाल-सुलभ विज्ञान गल्प-कथा को पढ़कर अपनी कल्पनाशीलता को समृद्ध कर सकेंगे, - मंगल ग्रह के वातावरण के बारे में जान सकेंगें, - जिज्ञासा एवं तर्कशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 7.	**साथी हाथ बढ़ाना**	गीत (कविता)	साहिर लुधियानवी	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण	- भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - कविता के मूलभाव यथा सहकारिता, सहयोग एवं

				वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	परोपकार की भावना से परिचित होंगे एवं अपने जीवन में भी आत्मसात् कर सकेंगे, - 'एक और एक ग्यारह' की भावना से परिचित होते हुए परस्पर सहयोग की भावना समझने का प्रयत्न करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं	**एक दौड़ ऐसी भी** **(केवल पढ़ने के लिए)**	कहानी		आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण,	- घटना प्रधान कहानी से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - समानता की प्रवृत्ति का विकास होगा, - परस्पर सहकारिता की भावना से प्रेरित होंगे, - सामाजिक समन्वय की भावना का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे,
पाठ स. 8	**ऐसे – ऐसे**	एकांकी	विष्णु प्रभाकर	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'एकांकी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किस- किस प्रकार के बहाने बनाते हैं इसे जान सकेंगे, - एकांकी के विषय-वस्तु एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते हैं, - पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि शब्दों से परिचित हो सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं.9	**टिकट –अल्बम**	कहानी	सुंदरा रामस्वामी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे,

				उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- विभिन्न प्रकार के वस्तुओं के संकलन के लिए प्रेरित होंगे, - पाठ में आये नैतिक मूल्यों को आत्मसात् करने का प्रयास करेंगे, - बालसुलभ स्वभाव और द्वेष से परिचित होते हुए इससे सीख लेंगें, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
व्याकरण और रचना ➢ वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास ➢ भाषा एवं लिपि ➢ संज्ञा (व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक) ➢ सर्वनाम ➢ विलोम शब्द					➢ हिंदी वर्णमाला ओर मात्राओं का उचित प्रयोग करते हैं। ➢ भाषा और लिपि की सामान्य परिभाषा जानकर दिल्ली में प्रयुक्त प्रमुख भाषाओं और लिपियों के नाम जानते हैं। ➢ संज्ञा की परिभाषा का बोध करते हुए अपनी पाठ्यपुस्तक में व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा की पहचान करते हैं। ➢ सर्वनाम की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विभिन्न सार्वनामिक कोटियों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। ➢ विलोम शब्द का बोध करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में उसका उचित प्रयोग करते हैं। ➢ **पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।**
❖ विद्यार्थियों के स्तर, **रुचि**, समसामयिक आवश्यकता और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विविध प्रकार के औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास। संकेत हेतु कुछ विषय :– ▪ अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को पत्र। ▪ पुस्तकें मँगवाने हेतु पुस्तक विक्रेता को पत्र। ▪ अपनी यात्रा का विवरण बताते हुए मित्र को पत्र। ▪ अपनी बहन को जन्मदिन पर शुभकामना संदेश वाले पत्र। आदि ▪ **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का अभ्यास करवाया जाए।**					❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।

❖ विद्यार्थियों के स्तर, **रुचि** और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन। संकेत के लिए कुछ विषय :– ■ मेरा प्रिय मित्र ■ कक्षा में मेरा पहला दिन ■ सफाई का महत्व ■ मेरा विद्यालय ■ स्वतंत्रता दिवस ■ वर्षा ऋतु आदि। ■ **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए।**	❖ अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
बाल रामकथा (पूरक पुस्तक) 1. अवधपुरी में राम 2. जंगल और जनकपुर 3. दो वरदान 4. राम का वन गमन 5. चित्रकूट में भरत 6. दंडकवन में दस वर्ष	• विद्यार्थी पाठगत विचारों से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उनका न्यूनाधिक प्रयोग करते हैं। • अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे, समझेंगे तथा अभिव्यक्त करते हैं। • मूल्यपरक विचारों, भावनाओं से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उन मूल्यों को आत्मसात करते हैं। **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के लिए है, मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।**

मध्यावधि परीक्षा

द्वितीय सत्र (अक्टूबर, 2019 से मार्च, 2020 तक)

पाठ सं. 10	**झाँसी की रानी**	कविता	सुभद्रा कुमारी चौहान	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - प्रसिद्ध स्वाधीनता सेनानी एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई/ झाँसी की रानी के नाम,जीवनगाथा एवं शौर्यगाथा को जान सकेंगे, - नाना फड़नवीस, बेगम हज़रत महल, पेशवा, बुंदेल आदि ऐतिहासिक पात्रों और शब्दों से परिचित होंगे, - इतिहास के कई घटनाओं से परिचित होंगे,

					- स्वाधीनता संग्राम के नायकों और घटनाओं के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यास-प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं.11	**जो देखकर भी नहीं देखते**	संस्मरण	महादेवी वर्मा	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- गद्य के एक रूप 'संस्मरण' विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - महादेवी वर्मा के जीवन एवं साहित्यिक जीवन से परिचित होंगे, - महादेवी वर्मा के बचपन की कुछ स्मृतियों, विद्यालय एवं छात्रावास के वातावरण आदि के बारे में जानेंगे, - तत्कालीन परिवेश में लड़कियों की पारिवारिक एवं सामाजिक स्थितियों के बारे में जानेंगे, - स्वतंत्रता आन्दोलन के क्रम में छात्रों, विशेषकर लड़कियों के योगदान एवं सहयोग को समझ सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ सं.12	**संसार पुस्तक है**	पत्र	जवाहरलाल नेहरु (अनुवाद – प्रेमचंद)	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'पत्र' विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पत्र-लेखन के महत्त्व को समझ सकेंगे, - पत्र-लेखन के लिए प्रेरित होंगे, - महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।

पाठ सं.13.	**मैं सबसे छोटी होऊं**	कविता	सुमित्रानंदन पंत	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- बाल-सुलभ कविता से परिचित होंगें, - भावानुकूल एवं सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, - बाल सुलभ अपेक्षाओं को जान सकेंगे, - माँ और बच्चे के बीच के वात्सल्य भाव की अनुभूति कर सकेंगे, - अपने बचपन की स्मृतियों को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर सकते हैं, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।
पाठ सं.14	**लोकगीत**	निबंध	भगवतशरण उपाध्याय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से लोकभाषा एवं लोकगीत की प्रारंभिक दशा एवं दिशा के बारे में जान सकेंगे, - 'लोकगीत' एवं 'लोक- संस्कृति' के महत्त्व को जान सकेंगे, - अपनी मातृभाषा एवं संस्कृति के प्रति लगाव बढ़ेगा, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।
पाठ सं.15	**नौकर**	निबंध	अनु बंदोपाध्याय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे गांधीजी के व्यक्तित्व और उनके आदर्शों से परिचित होंगे, - श्रम के महत्त्व को जान सकेंगे, काम के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे, - निजी जीवन के दैनिक कार्य स्वयं करने के लिए प्रेरित होंगे,

					- तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।
पाठ स. 16	**वन के मार्ग में**	सवैया (कविता)	तुलसीदास	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'सवैया' जैसी कविता की विधा के नाम से परिचित होंगे, - तुलसीदास के नाम एवं उनकी कुछ प्रमुख रचनाओं से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं सस्वर वाचन करने का प्रयास करेंगे, - सीता और राम के परस्पर प्रेम-भाव और समर्पण को समझ सकेंगे, - वन के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों का वर्णन कर सकेंगे, - सीता और राम के परिस्थितिजन्य मनोभावों को समझने का प्रयास करेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।
पाठ स. 17	**साँस-साँस में बाँस**	निबंध	एलेक्स ए. जॉर्ज़ (अनुवादक शशि सबलोक)	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे , - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से हमारे जीवन में बाँस की बहु-उपयोगिता को जान सकेंगे, - विशेषकर उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाँस पर आर्थिक-निर्भरता के कारणों को समझ सकेंगे - बाँस से बनने वाली विविध वस्तुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगें।
पाठ स.	**पेपरमेशी**	क्रिया-	जय विवेक	आदर्श एवं अनुकरण वाचन,	- आदर्श वाचन कर सकेंगे,

	(केवल पढ़ने के लिए)	कलाप		कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण,	- इस पाठ के माध्यम से कागज के पुनः प्रयोग करने हेतु प्रेरित होंगे, - विभिन्न प्रकार के प्रयोजनहीन कागजों से तरह-तरह के घरेलू सजावट के सामान, खिलौने, टोकरी, पेन-स्टैंड आदि बनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, - रचनात्मक एवं सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे,

व्याकरण और रचना → विशेषण एवं उसके भेद → लिंग, वचन और काल → पर्यायवाची शब्द	• विशेषण की परिभाषा का सामान्य बोध करते हैं। उसके भेदों की पहचान भी कर सकते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में विशेषण के महत्व को समझते हुए प्रयोग करते हैं तथा अपने पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त विशेषण के उदाहरणों की पहचान करते हैं। • लिंग, वचन और काल की परिभाषा का बोध करते हैं। पाठ में प्रयुक्त लिंग, वचन और कारक की पहचान करते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में इनका उचित प्रयोग करते हैं। • पर्यायवाची शब्द की संकल्पना को समझते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में पर्यायवाची शब्दों का महत्व समझते हुए संदर्भ और प्रसंग के अनुसार उचित पर्यावाची शब्द का चुनाव करते हैं। • **पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।**
❖ विद्यार्थियों के स्तर, **रुचि**, समसामयिक आवश्यकता और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विविध प्रकार के औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास। संकेत हेतु कुछ विषय :– ▪ सफाई हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र ▪ अपने विद्यालय में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र ▪ अपने भाई को परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र ▪ अपनी बहन को संबोधित कोई भी अभिव्यक्ति पत्र ▪ **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का**	❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, **रुचि** और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं।

अभ्यास करवाया जाए।	
❖ विद्यार्थियों के स्तर, **रुचि** और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन। संकेत के लिए कुछ विषय :– ■ प्रदूषण की समस्या ■ मेरी रेल/बस यात्रा ■ मेरी आदर्श महिला ■ मेरा प्रिय त्योहार आदि। ■ **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं।** **इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए।**	• अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
पूरक पुस्तक : बाल रामायण 7. सोने का हिरण 8. सीता की खोज 9. राम और सुग्रीव 10. लंका में हनुमान 11. लंका विजय 12. राम का राज्याभिषेक	• विद्यार्थी पाठगत विचारों से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उनका न्यूनाधिक प्रयोग करते हैं। • अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे, समझेंगे तथा अभिव्यक्त करते हैं। मूल्यपरक विचारों, भावनाओं से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उन मूल्यों को सफलीभूत करते हैं। **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के लिए है, मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।**
समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	
वार्षिक परीक्षा एवं परिणाम	

नोट :–

✯ वार्षिक परीक्षा में प्रथम सत्र के **व्याकरणिक बिन्दुओं के साथ** निम्न पाठों से भी प्रश्न पूछे जाएँगे :–

- बचपन
- नादान दोस्त
- ऐसे–ऐसे
- साथी हाथ बढ़ाना